

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

उद्यान एवं खाद्य प्रसंकरण, उत्तराखण्ड,

उद्यान भवन, जीबटिया- रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 20 जनवरी, 2010

विषय-वित्तीय वर्ष 2009-10 में टी0एस0पी0 की परियोजना हेतु अनुदान की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर-चमोली के पत्र सं0-मैमो/ज0यु0स0/टी.एस.पी./2009-10 दिनांक 15-12-2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-31 के आयोजनागत पक्ष की योजना 19-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान के 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद में कुल प्राधिकारित रु0-10.00 लाख (रुपये दस लाख मात्र) की बजट व्यवस्था व्यय हेतु आपके निर्वहन में रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्य के लिये ही किया जायेगा।
- (2) धनराशि का आहरण एवं व्यय परिव्यय की सीमान्तगत वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किशतों के रूप में किया जायेगा।
- (3) उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक-28 जुलाई, 2009 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (4) धनराशि व्यय करते समय प्रक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो वहाँ व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

.....2/-

- (7) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- (8) स्वीकृत समग्र योजना के वित्तीय व भौतिक लक्ष्य तथा out come के लक्ष्यों के सापेक्ष अद्यतन प्रगति तथा गत वर्ष के सापेक्ष भौतिक व वित्तीय प्रगति की सूचनाये तत्काल शरान को उपलब्ध कराई जायेगी।
- (9) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि नियमानुसार तत्काल निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर-बमोली को उपलब्ध करायी जायेगी।
- (10) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उप योजना-00-19-जड़ी-बूटी शोध संस्थान को अनुदान 20-सहायक अनुदान/अनुदान/राजसहायता के नाम डाला जायेगा।
- (11) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-351(PY)/XXVII-4/2009 दिनांक 14 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिवा)  
सचिव।

संख्या-468/XVI(1)/09/10(4)/09 तददिनांक:

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग गाजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी अल्मोड़ा/देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शरान।
- 6- निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर-बमोली।
- 7- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- 8- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 9- माडे फाइल।

आज्ञा से,

(विनोद फोनिवा)  
(केपी० पाटनी)  
अनु सचिव।